प्रतिदर्श प्रश्न पत्र - 2019-20

हिंदी (आधार) (कोड-302)

कक्षा - XII

अंक योजना

निर्धारित समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देश:

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं है। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ ।
- मूल्यांकन-कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही यथासंभव किया जाए।
- प्रश्नों के उत्तर यदि बिंदुओं में अपेक्षित हों और परीक्षार्थी अपेक्षा से अधिक बिंदुओं का उल्लेख करे तो सही बिंदु/बिंदुओं पर अंक दें और शेष/अनुपयुक्त बिंदुओं को अनदेखा करें।
- एक ही प्रकार की अशुद्धि के लिए बार-बार अंक न काटें जाएं।

क्र.सं.	संभावित उत्तर संकेत	निर्धारित अंक विभाजन
	खंड - क	
1 (1)	भारतीय सिनेमा एवं हिन्दी (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य)	1
(2)	गैर-हिंदी भाषी कलाकारों को हिन्दी माध्यम से ही पहचान, प्रतिष्ठा एवं धन-संपत्ति मिली है।	1
(3)	छोटा परदा यानि टेलीविज़न । इस कारण हिंदी आम भारतीयों के उपयोग की भाषा बन गई ।	2
(4)	हिंदी की रचनात्मकता और उर्वरता के प्रमाण हैं	2
(5)	सदी का महानायक से लेखक का तात्पर्य श्री अमिताभ बच्चन से है। इनकी हिंदी हर दिल की धडकन और हर धडकन की भाषा बन गई।	2
(6)	हिंदी उच्चारण की मिठास और गुणवत्ता अद्भुत, प्रभावी और ग्राह्य है। हिंदी संप्रेषणीय भाषा है।	2
(7)	उपसर्ग: उत् । प्रत्यय: ईय	2
2. (1)	सुरक्षा की भावना के कारण	1
(2)	माँ की छत्र छाया में वह सुरक्षित महसूस करता है ।	1
(3)	विषम परिस्थितियों में माँ का ही सहारा मिलता है ।	1
(4)	ऋतु-चक्रों की हर वेला में तू ही पुष्प-लड़ी है माँ !	1

	अथवा	
(1)	कवि ने उन ज्ञानियों पर कटाक्ष किया है जो जीवन की सच्चाई को नहीं समझ पाते हैं।	
(2)	जीवन व्यर्थ करना	
(3)	कवि संसार को सच्चा मानकर यह संदेश देना चाहता हैं कि हमें कर्त्तव्य का पालन करना चाहिए।	
(4)	यह संसार भगवान को इसलिए प्रिय है क्योंकि यह संसार उसी ने रचा है।	
	खंड-ख	
3.	दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर रचनात्मक लेखन (शब्द सीमा 120-150 शब्द) विषय वस्तु - 3 अंक भाषा - 1 अंक कल्पनाशीलता - 1 अंक	5
4.	(शब्द सीमा 80-100 शब्द) आरम्भ एवं अंत की औपचारिकताएँ - 1 अंक विषय वस्तु - 3 अंक भाषा - 1 अंक	5
5.क)	अमीरों की पार्टियाँ, फ़िल्मी गप-शप इत्यादि ।	1
ख)	तुरन्त घटी घटना की सूचना देना ।	1
ग)	ख़बरों को ठीक कर छपने लायक बनाना ।	1
घ)	बहुत अल्प समय के लिए किसी समाचार संगठन में कार्यरत ।	1
ड)	किन्हीं दो समाचार पत्रों के नाम।	1
6.	(शब्द सीमा 80-100 शब्द) कहानी से नाटक बनाते हुए संवाद, मूल कथावस्तु, भाषा-शैली, मंच सज्जा, ध्वनि, प्रकाश चरित्र चित्रण, पात्रों की भाव-भंगिमा, दृश्यात्मकता आदि का ध्यान रखना चहिए । **अथवा** **आलेख लेखन** विषय वस्तु - 3 अंक भाषा - 1 अंक प्रस्तुति - 1 अंक **अथवा** **फीचर लेखन** विषय वस्तु - 3 अंक	5

	भाषा - 1 अंक प्रस्तुति - 1 अंक	
	खंड-ग	
7.	(शब्द सीमा 30-40 शब्द) क) कैमरे में बंद अपाहिज-रघुवीर सहाय ख) आप अपाहिज क्यों हो, आप को अपाहिज होकर कैसा लगता है ग) वह अपाहिज तथा दर्शक दोनों को साथ रुलाना चाहता है । **अथवा** क) लक्ष्मण मूर्छा और राम का विलाप, तुलसीदास ख) आप के प्रताप को हृदय में धारण कर हे! प्रभु मैं तुरंत चला जाऊँगा । ग) बाहुबल, शील, श्रीराम के प्रति प्रेम ।	2+2+2=6
8.	(शब्द सीमा 30-40 शब्द) क) बाल क्रीडाओं का चित्रण, माँ का वात्सल्य ख) बाल मनोविज्ञान के अनुरूप भाषा, अनुप्रास अलंकार, लोक-भाषा । **अथवा** क) उषाकाल का मानवीकरण । ख) बिम्बात्मक भाषा का प्रयोग, उत्प्रेक्षा अलंकार, मानवीकरण ।	2×2=4
9.	(शब्द सीमा 60-70 शब्द)	3×2=6
क)	• बात को सहज रूप से प्रकट करने के लिए सहज स्वाभाविक भाषा का प्रयोग करना । • सही बात को सही शब्द से जोड़ना । • सीधी और सरल बोलचाल की भाषा प्रयोग से कथ्य प्रभावपूर्ण ।	
ख)	• कागज और खेत दोनों ही रचना / सृजन के आधार । • खेत में जैसे फसल उगती है उसी प्रकार कागज़ पर नई रचना । • कागज पर लिखे क्षण भर के अनुभव जीवन भर के लिए स्थायी हो जाते हैं - जैसे क्षण भर की रोपाई अनंतता की कटाई हो ।	
ग)	निर्मलता, कोमलता, पवित्रता आदि के आधार पर कपास और बच्चे के मन की तुलना की गई है ।	
10.	(शब्द सीमा 60-70 शब्द)	2×3=6
क)	• कारागार का नाम सुनते ही डर जाना • उँची दीवार देखकर बेहोश हो जाना	
ख)	• डरपोक • लेखिका के प्रतिनिष्ठा और प्रेम	
ग)	नौकर को अकेले छोड़ देना ।	

	अथवा	
क)	बाजार के आकर्षण को, क्योंकि बाजार में सामान की चकाचौंध हमें लुभाती है और खरीदने पर विवश करती है।	
ख)	जब जेब भरी हो और मन खाली हो तो सर्वाधिक असर करता है । जब जेब खाली, पर मन भरा न हो तब भी जादू चलता है।	
ग)	जिन चीजों को ग्राहक ने जादू के प्रभाव में आराम बढ़ाने के लिए यो ही खरीद लिया था, वे व्यर्थ प्रतीत होते हैं । आराम में मदद नहीं विघ्न पड़ता है ।	
11.		4+4+2=10
क)	(शब्द सीमा 80-100 शब्द) • लोक आस्था और विज्ञान के द्वंद्व का सुन्दर चित्रण । विज्ञान का अपना तर्क है और आस्था का अपना विश्वास है । • देशभक्ति जगाना एवं भ्रष्टाचार का विरोध करना ।	4
ख)	(शब्द सीमा 80-100 शब्द) • दंगल में चाँद सिंह से कुश्ती के समय । • नए राजकुमार के आने से । **अथवा** • चार्ली की अधिकांश फ़िल्में मूक थीं । इसलिए लोगों को निकट लाने के लिए उन्हें अधिक से अधिक मानवीय होना पड़ा । • चार्ली ने अपनी फिल्मों में सामान्य आदमी को स्थान दिया । • उन्होंने स्नेह, करूणा और मानवीय जीवन मूल्यों को साकार किया ।	4
ग)	(शब्द सीमा 30-40 शब्द) • शिरीष के फूल कालजयी अवधूत के समान मस्त, बेपरवाह, फक्कड़ और अनासक्त जीवन जीने की प्रेरणा देता है ।	2
12.	(शब्द सीमा 80-100 शब्द)	4×3=12
(क)	यशोधर बाबू के प्रति बच्चों का व्यवहार उचित नहीं था । युवा पीढ़ी के घटते मूल्य : • बच्चे बड़ों के प्रति आदर-सम्मान का भाव नहीं रखते । • परम्पराओं एवं संस्कारों का पालन नहीं करते । • मानवीय मूल्यों का निरादर करते हैं । परिवार में बड़ों के प्रति स्नेह, सम्मान और आदर प्रदर्शित करने के विभिन्न तरीके : सटीक उत्तर पर अंक प्रदान करें ।	
(ख)	जूझ शीर्षक का अर्थ है “संघर्ष”- जो कथानायक के जीवन पर भी लागू होता है ।	

(ग)	• ऐन फ्रैंक भावुक पर बुद्धिमान बालिका थी । • फिल्मों की शौक़ीन । • परिश्रमी । • प्रकृति प्रेमी । • नारी के अधिकारों के प्रति सचेत । • चिंतन-मननशील स्वभाव ।	
(घ)	• जूझ का अर्थ है संघर्ष । • कथानक आनंदा ने पाठशाला जाने के लिए संघर्ष किया । • कवि बनने के लिए संघर्ष । • संघर्ष के बल पर कथानायक को अपने उद्देश्य की प्राप्ति ।	
(ङ)	शानदार नगर-नियोजन, जल-प्रणाली, तकनीक प्रयोग के प्रमाण, स्व-अनुशासित आदि ।	